vinetur

TTB ने वाइन और साइडर के लिए फ़ॉर्मूला अनुमोदन पर नई मार्गदर्शिका जारी की

ब्यूरो का निर्णय-उपकरण उत्पादकों को यह तय करने में मदद करता है कि क्या उत्पादों को लेबल अनुमोदन और अमेरिकी बाज़ार में प्रवेश से पहले फ़ॉर्मूला समीक्षा की आवश्यकता है।

सोमवार, 29 जून 2026

Alcohol and Tobacco Tax and Trade Bureau ने ऐसी मार्गदर्शिका प्रकाशित की है, जिसका उद्देश्य वाइन और साइडर उत्पादकों को यह तय करने में मदद करना है कि किसी उत्पाद को अमेरिकी बाज़ार में प्रवेश करने से पहले फ़ॉर्मूला अनुमोदन की आवश्यकता है या नहीं ; यह एक ऐसा चरण है जो लेबल आवेदन दाखिल किए जाने से पहले प्रयोगशाला विश्लेषण को भी ट्रिगर कर सकता है।

एजेंसी का कहना है कि कुछ मादक पेयों को वाणिज्य में लाए जाने से पहले फ़ॉर्मूला अनुमोदन प्राप्त करना होता है। वाइन के मामले में इसमें grape wine, juice wine और कृत्रिम फ्लेवरिंग या processing materials के साथ बनाई गई वाइन शामिल हो सकती हैं। यह आवश्यकता आम तौर पर तब लागू होती है जब किसी उत्पाद में ऐसे additives हों जो उसके उत्पादन में सामान्य न हों या उसमें कुछ गैर-मानक ingredients का उपयोग किया गया हो।

TTB के अनुसार, फ़ॉर्मूले विशेष रूप से उन पेयों के लिए आवश्यक होते हैं जो पारंपरिक उत्पादन विधियों से हटकर बनाए गए हों या जिनमें ऐसे ingredients हों जो सुरक्षा, गुणवत्ता या लेबलिंग को प्रभावित कर सकते हों। ब्यूरो संघीय कानूनों और नियमों के अनुपालन की जांच के लिए प्रस्तुतियों की समीक्षा करता है और कहता है कि उत्पाद को बाज़ार में लाने या बेचने से पहले अनुमोदन आवश्यक है।

इस मार्गदर्शिका को वाइन और साइडर उत्पादों के लिए एक निर्णय-उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिससे उत्पादक यह आकलन कर सकें कि उन्हें फ़ॉर्मूला अनुमोदन की आवश्यकता है या नहीं और, कुछ मामलों में, Certificate of Label Approval, या COLA, की ओर बढ़ने से पहले प्रयोगशाला परीक्षण की भी जरूरत है या नहीं। यह क्रम महत्वपूर्ण है, क्योंकि लेबल अनुमोदन अक्सर किसी नए पेय के थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं तक पहुंचने से पहले के अंतिम नियामकीय चरणों में से एक होता है।

वाइनरी, साइडर निर्माता और फ्लेवर्ड या अन्यथा अपरंपरागत उत्पाद विकसित करने वाली कंपनियों के लिए यह स्पष्टीकरण उत्पाद विकास के शुरुआती चरण में गलतियों को कम करने में मदद कर सकता है। व्यवहार में, यह अनिश्चितता कि फ़ॉर्मूला आवश्यक है या नहीं, अस्वीकृत दाखिलों, संशोधित रेसिपियों, विलंबित पैकेजिंग निर्णयों और बाज़ार में धीमी एंट्री का कारण बन सकती है। नियामक की ओर से अधिक स्पष्ट दिशा-निर्देश उत्पादकों को ऐसे लेबल या उत्पादन योजनाओं पर समय और पैसा खर्च करने से बचने में मदद कर सकते हैं जो संघीय आवश्यकताओं से मेल नहीं खाते।

यह मुद्दा विशेष रूप से उन पेय कंपनियों के लिए प्रासंगिक है जो ऐसे श्रेणियों में काम कर रही हैं, जहां नवाचार ने इस बारे में पुरानी धारणाओं को पीछे छोड़ दिया है कि मानक वाइन या साइडर क्या माना जाता है। अतिरिक्त फ्लेवर, असामान्य

ingredients या नए processing methods से बने उत्पाद न केवल formulation, बल्कि classification और labeling के बारे में भी प्रश्न उठा सकते हैं। जो उत्पादक इन नियमों का गलत आकलन करता है, उसे उत्पाद लॉन्च में देरी का सामना करना पड़ सकता है, भले ही पेय अन्यथा बिक्री के लिए तैयार हो।

TTB का व्यापक रुख यह है कि फ़ॉर्मूला समीक्षा अनुपालन और उपभोक्ता संरक्षण, दोनों उद्देश्यों की पूर्ति करती है। किसी उत्पाद के बाज़ार में पहुंचने से पहले ingredients और उत्पादन विवरण की जांच करके, एजेंसी यह सुनिश्चित करना चाहती है कि पेयों पर सही लेबल लगे हों और वे लागू मानकों को पूरा करते हों। जब ingredients या प्रक्रियाएं यह बदल देती हैं कि किसी उत्पाद का खरीदारों के सामने कैसे वर्णन किया जाना चाहिए, तब यह समीक्षा महत्वपूर्ण हो सकती है।

ब्यूरो उत्पादकों को अपनी फ़ॉर्मूला नियमावली और मार्गदर्शन सामग्री देखने के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि वे तय कर सकें कि उनके उत्पादों को अनुमोदन की आवश्यकता है या नहीं और प्रस्तुति प्रक्रिया को समझ सकें। वाइन और साइडर के व्यवसायों के लिए, खासकर उन छोटे ऑपरेटरों के लिए जिनके पास बड़े अनुपालन दल नहीं हैं, इस तरह की चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका संयुक्त राज्य अमेरिका में वितरण के लिए नए उत्पाद तैयार करते समय टाले जा सकने वाले व्यवधानों को सीमित करने में मदद कर सकती है।